

न्यायालय राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक पुनरीक्षण

106

R 702/388/06

वहीदखा पुत्र श्री इददू खां मुसलमान  
निवासी मोहल्ला रोहिलपुरा सिरोंज  
तहसील सिरोंजजिला- विदिशा म०प्र०,

--- आवेदक

विरुद्ध

श्री ~~...~~ द्वारा आज दि. 13/4/06 को दस्तुत।

राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

- 1- कल्लू खां 2- नजोर खां
- 3- हफीजखा 4- भूराबी 5- मुन्नीबी पुत्र एवं पुत्रीगण श्री इददू खां मुसलमान
- 6- हमामन बी विधवा इददू खां समस्त निवासी गण मोहल्ला रोहिलपुरा सिरोंजतहसील सिरोंज जिला-विदिशा
- 7- चन्दू खां 8- पप्पू 9- कल्लो बी समस्त पुत्रगण श्री मद्ददा खां मुसलमान निवासीगण मोहल्ला रकाबगंज सिरोंज तहसील सिरोंज जिला-विदिशा म०प्र०
- 10- छम्मू खां 11- मकसूदखा
- 12- मकबूल खां 13- सजोम पुत्रगण भुन्दूखा मुसलमान निवासीगण मोहल्ला रोहिलपुरा सिरोंजतहसील सिरोंज जिला- विदिशा म०प्र०

Ex 14- पप्पू पुत्र वहीद खां मोहम्मद खां

Ex 15- आलमाबाई आयु 9 वर्ष

Ex 16- नगमाबाई आयु 8 वर्ष

Ex 17- हुमा आयु 6 वर्ष तिनों अल्पवयस्क

पुत्रियां मृतका मुन्नीबाई द्वारा पितर संरक्षण पप्पू पुत्र वहीद मोहम्मद

13.4.06  
K.K. J. Veda.

R/106

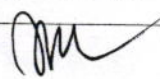
राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 702-पीबीआर/2006 निगरानी

जिला विदिशा

दिनांक तथा क्रमांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों / अभिभाषकों के हस्ताक्षर
20.6.16	<p>प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत हुआ। अवलोकन किया गया। यह निगरानी अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल द्वारा प्रकरण क्रमांक 197/2002-03 अपील में पारित आदेश दिनांक 28-1-2006 के विरुद्ध म0प्र0 भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत हुई है।</p> <p>2/ आवेदकगण की ओर से अभिभाषक श्री धर्मेन्द्र चतुर्वेदी। अनावेदक क्रमांक 7,8,9 की ओर से श्री बिनोद श्रीवास्तव अभिभाषक के तर्क सुने गये। आवेदक क्रमांक 1 से 6 तथा 10 लगायत 17 सूचना उपरांत अनुपस्थित रहने से एकपक्षीय है। अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>3/ विद्वान अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अनुसार वस्तुस्थिति यह है कि ग्राम कादरपुर स्थित भूमि सर्वे नंबर 264 रकबा 5.072 हैक्टर के भूमिस्वामी मद्दा खॉं थे जिनकी मृत्यु उपरांत ग्राम की नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 10 पर राजस्व निरीक्षक ने आदेश दिनांक 18-9-98 से मृतक के वारिसान का नामान्तरण किया। इस आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 157/2001-02 अपील में पारित आदेश दिनांक 27-9-2002 से अपील अस्वीकार की गई। अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज के आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक</p>	

R  
JSC



प्र0क0702-पीबीआर/2006निग0

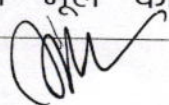
197/2002-03 में पारित दिनांक 28-1-2006 से अपील समयवाह्य पाकर निरस्त की गई। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

4/ उपस्थित अभिभाषकों के तर्कानुक्रम में निगरानी मेमो के तथ्यों एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि अनुविभागीय अधिकारी के आदेश दिनांक 27-9-2002 के विरुद्ध अपर आयुक्त भोपाल संभाग, भोपाल के समक्ष 17 दिन विलम्ब से अपील प्रस्तुत हुई है एवं अपर आयुक्त भोपाल संभाग, भोपाल ने आदेश दिनांक 28-1-2006 से 17 दिवस का विलम्ब क्षमा नहीं किया है, जबकि अपीलांत ने अवधि विधान की धारा-5 का आवेदन देकर बताया है कि अपीलार्थी बीमार रहने से 17 दिवस का विलम्ब हुआ है। अपर आयुक्त के आदेश दिनांक 28-1-06 के अवलोकन पर स्थिति यह है कि उनके द्वारा विलम्ब के सम्बन्ध में जो निष्कर्ष निकाले हैं वह शॉकास्पद होकर समाधान-कारक नहीं हैं क्योंकि -

1. निगरानी प्रस्तुत करने में 17 दिन का विलम्ब-निगरानी मेमो में विलम्ब का कारण अंकित किया गया - 17 दिवस का विलम्ब अत्याधिक विलम्ब नहीं है - विलम्ब के आधार पर निगरानी निरस्त करना - न्याय किया जाना नहीं माना जायेगा।
2. भू राजस्व संहिता, 1959 (म0प्र0) धारा 47 - समुचित आधारों पर आधारित होने से विलम्ब क्षमा किये जाने योग्य पाया गया - मामला गुणा-गुण पर विनिश्चत किये जाने हेतु अधीनस्थ न्यायालय को भेजा जावेगा।

स्पष्ट है कि अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल द्वारा प्रकरण क्रमांक 197/2002-03 अपील में पारित आदेश दिनांक 28-1-2006 से मात्र 17 दिवस का विलम्ब क्षमा न करने में भूल की है जिसके कारण उनके द्वारा पारित


1/15



राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 702-पीबीआर/2006 निगरानी

जिला विदिशा

आव तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों / अभिभाषकों के हस्ताक्षर
	<p>आदेश स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।</p> <p>5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी स्वीकार की जाकर अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल द्वारा प्रकरण क्रमांक 197/2002-03 अपील में पारित आदेश दिनांक 28-1-2006 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किया जाता है एवं निर्देश दिये जाते हैं कि अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल इस आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्ति उपरांत प्रकरण क्रमांक 197/2002-03 अपील में हितबद्ध पक्षकारों की सुनवाई कर गुणदोष के आधार पर निराकरण करें।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	

R  
10